



HOME संस्कृत शिक्षण पाठशाला » DOWNLOADS » लघुसिद्धान्तकौमुदी » साहित्यम् » दर्शनम् » स्तोत्रम्/गीतम् » कर्मकाण्डम् » विविध »

Home » कर्मकाण्ड » देव पूजा विधि Part-15 सर्वतोभद्र पूजन

## देव पूजा विधि Part-15 सर्वतोभद्र पूजन

जगदानन्द झा 1:44 am 1 टिप्पणी

प्रत्येक व्रत गृह प्रतिष्ठा आदि में सर्वतोभद्र पीठ बनाकर उसका पूजन विधि पूर्वक करना चाहिए। प्रत्येक पीठ पर प्रधान देव की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की विधि निम्नवत् करनी चाहिए।

ॐ ब्रह्मयज्ञानेत्यादिमन्त्राणां, गौतामद्या ऋषयः, त्रिष्टुबादीनि छन्दांसि, ब्रह्मादयो देवताः सर्वतोभद्रमण्डलस्थदेवताऽऽवाहने पूजने च विनियोगः।

अक्षत लेकर कर्णिका के बीच में ब्रह्मादि का आवाहन करें। ॐ ब्रह्मयज्ञानम्प्रथमं पुरस्ताद्विषीमतः सुरुचोव्हेन आवः॥ सबुध्या उपमा अस्य विष्ठाः सतश्चयोनिमसतश्चविवः। ॐ भूर्भुवः स्वः ब्रह्मन्निहागच्छ इह तिष्ठ। ॐ ब्रह्मणे नमः॥१॥ उत्तरे वाप्यां सोमम्॥ ॐ वयं ॐ सोमव्रते तव मनस्तनूषु बिभ्रतः॥ प्रजावन्तः सचेमहि॥ ॐ भूर्भुवः स्वः सोम इहागच्छ इह तिष्ठ॥ ॐ सोमाय नमः॥ २॥ ईशान्यां खण्डेन्दावीशानम्। ॐ तमीशानञ्जगतस्तस्थुषस्त्वितिथियज्जिजन्मवसेहमहे वयम्॥ पूषानो यथा वेदसामसद्वृधे रक्षिता पायुरदब्धः स्वस्तये॥ ॐ भूर्भुवः स्वः ईशान इहा०॥ ईशानाय नमः॥३॥ पूर्वस्यां दिशि वाप्यामिन्द्रम्॥ ॐ त्रातारमिन्द्रमवितारमिन्द्रं हवे हवे सुवह ॐ शूरमिन्द्रम्॥ हवामि शक्रम्पुरुहूतमिन्द्र ॐ स्वस्ति नो मघवा धात्विन्द्रः॥ ॐ भूर्भुवः स्वः इन्द्र इहागच्छ ॐ इन्द्राय नमः॥ आग्नेयां खण्डेन्दावग्निम्। ॐ त्वन्नोऽग्नेव्वरुणस्य विद्वान् देवस्य हेडो अवयासिसीष्ठाः। यजिष्ठो वहितमः शोशुचानो व्विश्वादेष्टा ॐ सिप्रमुमुग्ध्यस्मत् ॐ भूर्भुवः स्वः इहा॥ ॐ अग्नये नमः॥ दक्षिणवाप्यां यमम्। ॐ सुगन्तः पन्थाप्रदिशन्नऽहं ज्योतिष्मद्देह्यजरन्नऽआयुः॥ अपैतु मृत्युममृतम् आगाद्वैवस्वतो नोऽअभयं कृणोतु॥ ॐ भूर्भुवः स्वः यम इहा॥ ॐ यमाय नमः॥ नैऋत्यां खण्डेन्दौ निर्ऋतिम् ॐ असुखन्तमयजमानमिच्छस्तेनस्येत्यामन्त्रिहितस्वकरस्य अत्र्यमस्मदिच्छसातऽइत्या नमो देवि निर्ऋते तुभ्यमस्तु॥ ॐ भूर्भुवः स्वः निर्ऋते इहा॥ ॐ निर्ऋतये नमः॥ पश्चिमे वाप्यां वरुणम्। ॐ तत्त्वायामि ब्रह्मणा वन्दमानस्तदाशास्ते यजमानो हविर्भिः। अहेडमानो वरुणे -हवोद्ध्वरुश ॐ समानऽआयुःप्रमोषीः॥ ॐ भूर्भुवः स्वः वरुण इहा॥ वरुणाय नमः॥ वाव्यां खण्डेन्दौ वायुम्। ॐ आनोनिपुन्द्रिः शतिनीभिरध्वर ॐ सहश्रिणीभिरुपयाहि यज्ञम्॥ वायोऽअस्मिन्सवनेमादयस्व यूयम्पातस्वस्तिभिः सदा नः॥ ॐ भूर्भुवः स्वः वायो इहा॥ ॐ वायवे नमः॥ वायुसोमयोर्मध्ये भद्रे अष्टवसून्। ॐ वसोः पवित्रामसि शतधारे वसोः पवित्रामसि

सहश्रधारम्। देवस्त्वा सविता पुनातु वसो पवित्रोऽशतधारेण सुप्वाकामधुक्षः॥ ॐ भूर्भुवः स्वः वसव इहागच्छत इह तिष्ठत॥ वसुभ्यो नमः॥ सोमेशानयोर्मध्ये भद्रे एकादशरुद्रान्। ॐ नमस्ते रुद्रमन्त्र्य उतोत इषवे नमः। बाहुभ्यामुतोत नमः। ॐ भूर्भुवः स्वः एकादश रुद्रा इहागच्छत इह तिष्ठत॥ ॐ रुद्रेभ्यो नमः। ईशानपूर्वयोर्मध्ये भद्रे द्वादशादित्यान्। ॐ अदितिद्वारदितिरन्तरिक्षमदितिमृमातासपितासपुत्राः। विश्वेदेवा अदितिः पञ्चजना अदितिर्जातमदितिर्जनिवत्॥ ॐ भूर्भुवः स्वः द्वादशादित्या इहागच्छत इह तिष्ठत॥ ॐ द्वादशादित्येभ्यो नमः॥ इन्द्राग्रयोर्मध्ये भद्रेऽश्विनौ। ॐ अश्विनातेजसा चक्षुःप्राणेन सरस्वतीवीर्यम्। वाचेन्द्रो बलेनेन्द्राय दधुरिन्द्रियम्॥ ॐ भूर्भुवः स्वः अश्विनाविहागच्छतमिह तिष्ठतम्। ॐ अश्विभ्यां नमः॥ अग्निरयमयोर्मध्ये भद्रे विश्वेदेवाऽपितृन्। ॐ विश्वेदेवा स आगत शृणुताम इमं ॐ हवम् इदं बर्हिर्निषीदत। ॐ भूर्भुवः स्वः विश्वेदेवा

Search

Popular

Tags

Blog Archives

लोकप्रिय पोस्ट



### देव पूजा विधि Part-1 स्वस्तिवाचन, गणेश पूजन

इस प्रकरण में पञ्चाङ्ग पूजा विधि दी गई है। प्रायः प्रत्येक संस्कार, व्रतोद्यापन, हवन आदि यज्ञ यज्ञादि में पञ्चाङ्ग पूजन क...



### संस्कृत कैसे सीखें

इस ब्लॉग में विष्णु, शिव, शक्ति, सूर्य, गणेश एवं अन्य विविध देवी देवताओं के स्तोत्रों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। संस्क...



### तर्पण विधि

प्रातःकाल पूर्व दिशा की ओर मुँह कर बायें और दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में पवित्री (पैती) धारण करें। यज्ञोपवीत को सव्य कर लें। त...



### लघुसिद्धान्तकौमुदी (अस्वन्धि-प्रकरणम्)

अथ  
अस्वन्धिः If you cannot see the audio controls, your browser does not suppo...

तद्वाहो पूर्वे ॐ असिताङ्गभैरवाय नमः असिताङ्गभैरवम्॥११॥ आग्नेय्यां ॐ रुरुभैरवाय नमः रुरुभैरवम्॥१२॥ दक्षिणे ॐ चण्डभैरवाय नमः चण्डभैरवम्॥१३॥ नैर्ऋत्यां ॐ क्रोध भैरवाय नमः क्रोधभैरवम्॥१४॥ पश्चिमे ॐ उन्मत्तभैरवाय नमः उन्मत्तभैरवम्॥१५॥ वायव्यां ॐ कपालभैरवाय नमः कपालभैरवम्॥१६॥ उत्तरे ॐ भीषणभैरवाय नमः भीषणभैरवम्॥१७॥ ईशान्यां ॐ संहारभैरवाय नमः संहारभैरवम्॥१८॥ पुनः पूर्वादि॥ ॐ भवाय नमः भवं॥११॥ आग्नेय्यां ॐ शर्वाय नमः शर्व॥१२॥ दक्षिणे ॐ पशुपतये नमः पशुपतिम्॥१३॥ नैर्ऋत्यां ॐ ईशानाय नमः ईशानम्॥१४॥ पश्चिमे ॐ रुद्राय नमः रुद्रम्॥१५॥

OPEN

खोज

स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था, एक समीक्षा

वायव्यां ॐ उग्राय नमः उग्रमा. ॥6॥ उत्तरे ॐ भीमाय नमः भीममा. ॥7॥ ईशान्यां ॐ महते नमः महान्तं. ॥8॥ तद्बाहो पूर्वे ॐ अनन्ताय नमः अनन्तमा. ॥1॥ आग्नेयां ॐ वासुकये नमः वासुकिमा. ॥2॥ दक्षिणस्याम् ॐ तक्षकाय नमः तक्षकम्. ॥3॥ नैऋत्यां ॐ कुलिशायुधाय नमः कुलिशायुधमा. ॥4॥ पश्चिमे ॐ कर्कोटकाय नमः कर्कोटकमा. ॥5॥ वायव्यां ॐ शङ्खपालाय नमः शङ्खपालमा. ॥6॥ उत्तरे ॐ कम्बलाय नमः कम्बलमा. ॥7॥ ईशान्यां ॐ आश्रत्तराय नमः अश्रत्तरमा. ॥8॥ ईशानेन्द्रमध्ये ॐ शूलाय नमः शूलं. ॥1॥ इन्द्राग्निमध्ये ॐ चन्द्रमौलिने नमः चन्द्रमौलिनामा. ॥2॥ अग्निमयमध्ये ॐ चन्द्रमसे नमः चन्द्रमसमा. ॥3॥ यमनिर्ऋतिमध्ये ॐ वृषभध्वजाय नमः वृषभध्वजमा. ॥4॥ निर्ऋतिवरुणमध्ये ॐ त्रिलोचनाय नमः त्रिलोचनामा. ॥5॥ वरुणवायुमध्ये ॐ शक्तिधराय नमः शक्तिधरमा. ॥6॥ वायुसोममध्ये ॐ महेश्वराय नमः महेश्वरमा. ॥7॥ सोमेशानमध्ये ॐ शूलपाणये नमः शूलपाणिनामा. ॥8॥ तदनन्तर मनोजूति मंत्र से प्रतिष्ठा कर यथालब्धोपचार से प्रत्येक का एक साथ या अलग-अलग पूजन करें।

Share: [f](#) [t](#) [G+](#) [in](#)



**जगदानन्द झा**

लखनऊ में प्रशासनिक अधिकारी के पदभार ग्रहण से पूर्व सामयिक विषयों पर कविता, निबन्ध लेखन करता रहा। संस्कृत के सामाजिक सरोकार से जुड़ा रहा। संस्कृत विद्या में महती अभिरुचि के कारण अबतक चार ग्रन्थों का सम्पादन। संस्कृत को अन्तर्जाल के माध्यम से प्रत्येक लाभार्थी तक पहुँचाने की जिद। संस्कृत के प्रसार एवं विकास के लिए ब्लॉग तक चला आया। मेरे अपने प्रिय शताधिक वैचारिक निबन्ध, हिन्दी कविताएँ, 21 हजार से अधिक संस्कृत पुस्तकें, 100 से अधिक संस्कृतज्ञ विद्वानों की जीवनी, व्याकरण आदि शास्त्रीय विषयों की परिचर्चा, शिक्षण- प्रशिक्षण और भी बहुत कुछ मुझे एक दूसरी ही दुनिया में खींच ले जाते हैं। संस्कृत की वर्तमान समस्या एवं वृहत्तम साहित्य को अपने अन्दर महसूस कर अपने आप को अभिव्यक्त करने की इच्छा बलवती हो जाती है। मुझे इस क्षेत्र में कार्य करने एवं संस्कृत विद्या अध्ययन को उत्सुक समुदाय को नेतृत्व प्रदान करने में अत्यन्त सुखद आनन्द का अनुभव होता है।

← नई पोस्ट

मुख्यपृष्ठ

पुरानी पोस्ट →

## 1 टिप्पणी:



**Unknown** 10 जुलाई 2019 को 9:33 pm

Hi,  
Mr Jha ,  
I am interested in sarvatobhadra Mandal puja.  
Please help if you can guide.

जवाब दें

अपनी टिप्पणी लिखें...



इस रूप में टिप्पणी करें:

Vasudev Shastri ((

साइन आउट करें

डालें

पूर्वावलोकन

☐ मुझे सूचित करें

स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (तृतीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (तृतीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (तृतीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (तृतीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (तृतीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था (द्वितीय अध्याय...  
स्मृति ग्रन्थों में आचरण की व्यवस्था, स्मृति - स्व...  
संस्कृत भाषा के विकास हेतु कार्ययोजना  
संस्कृत भाषा और छन्दोबद्धता  
संस्कृत की पुस्तकें वाया संस्कृत संस्थान  
Learn Hieratic in Hindi Part -5 उपनयन संस्कार  
कार्तिक स्त्री प्रसूता शान्ति  
मूलगण्डान्त शान्ति प्रयोग  
गृहप्रवेश विधि  
शिलान्यास विधि  
देव पूजा विधि Part-22 भागवत पूजन विधि  
देव पूजा विधि Part-20 सत्यनारायण पूजा विधि  
देव पूजा विधि Part-19 अभिषेक विधि  
देव पूजा विधि Part-18 हवन विधि  
देव पूजा विधि Part-17 कुश कण्डिका  
देव पूजा विधि Part-16 प्राणप्रतिष्ठा विधि  
देव पूजा विधि Part-15 सर्वतोभद्र पूजन  
देव पूजा विधि Part-14 महाकाली, लेखनी, दीपावली पूजन...  
देव पूजा विधि Part-13 लक्ष्मी-पूजन  
देव पूजा विधि Part-12 कुमारी-पूजन  
देव पूजा विधि Part-11 दुर्गा-पूजन  
देव पूजा विधि Part-10 पार्थिव-शिव-पूजन  
देव पूजा विधि Part-9 शिव-पूजन  
देव पूजा विधि Part-8 शालग्राम-पूजन  
देव पूजा विधि Part-6 नवग्रह-स्थापन एवं पूजन  
देव पूजा विधि Part-5 नान्दीश्राद्ध प्रयोग  
देव पूजा विधि Part-4 षोडशमातृका आदि-पूजन  
देव पूजा विधि Part-3 पुण्याहवाचनम्  
देव पूजा विधि Part-2 कलशस्थापन  
देव पूजा विधि Part-1 स्वस्तिवाचन, गणेश पूजन  
देवताओं के पूजन के नियम

► फ़रवरी (11)

► जनवरी (8)

► 2013 (13)

► 2012 (55)

► 2011 (14)

जगदानन्द झा. Blogger द्वारा संचालित.

मास्तु प्रतिलिपि:

---

इस ब्लॉग के बारे में

---

संस्कृतभाषी ब्लॉग में मुख्यतः मेरा

वैचारिक लेख, कर्मकाण्ड, ज्योतिष, आयुर्वेद, विधि,  
विद्वानों की जीवनी, 15 हजार संस्कृत पुस्तकों, 4 हजार  
पाण्डुलिपियों के नाम, उ.प्र. के संस्कृत विद्यालयों,  
महाविद्यालयों आदि के नाम व पता, संस्कृत गीत

आदि विषयों पर सामग्री उपलब्ध हैं। आप लेवल में जाकर  
इच्छित विषय का चयन करें। ब्लॉग की सामग्री खोजने के लिए  
खोज सुविधा का उपयोग करें

संस्कृतसर्जना वर्ष 1 अंक 2

---

Powered by

[Publish for Free](#)

संस्कृतसर्जना वर्ष 1 अंक 3

---

Powered by

[Publish for Free](#)

## SANSKRITSARJANA वर्ष 2 अंक-1

---

Powered by

[Publish for Free](#)

मेरे बारे में

---



**जगदानन्द झा**  
मेरा पूरा प्रोफ़ाइल देखें

## संस्कृतसर्जना वर्ष 1 अंक 1

---

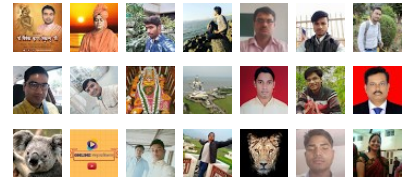
Powered by

[Publish for Free](#)

समर्थक एवं मित्र

---

**Followers (277)** [Next](#)



[Follow](#)

## RECENT POSTS

करोना के परिप्रेक्ष्य में स्मृति ग्रंथों में वर्णित आचरण की व्यवस्था  
कम्प्यूटर द्वारा संस्कृत शिक्षण का पाठ्यक्रम  
काव्यप्रकाश: (दशम उल्लास: 2)  
काव्यप्रकाश: (दशम उल्लास: 1)  
काव्यप्रकाश: (नवम उल्लास:)

## अव्यवस्थित सूची

संस्कृत की प्रतियोगिताएँ  
श्रीमद्भागवत की टीकाएँ  
जनगणना 2011 में संस्कृत का स्थान  
उत्तर प्रदेश के माध्यमिक संस्कृत विद्यालय

## लेखाभिज्ञानम्

अंक	अभिनवगुप्त	अलंकार	आचार्य
आधुनिक संस्कृत	आधुनिक संस्कृत गीत		
आधुनिक संस्कृत साहित्य	आम्बेडकर		
उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	उत्तराखंड	ऋग्वेद	ऋतु
ऋषिका	कणाद	करक चतुर्थी	करण
कर्मकाण्ड	कामशास्त्र	कारक	काल
काव्यशास्त्र	काव्यशास्त्रकार	कुमाऊँ	कूर
कूर्माचल	कृदन्त	कोजगरा	कोश
गाय	गीतकार	गीति काव्य	गुरु
गोविन्दराज	ग्रह	चरण	छन्द
जगदानन्द झा	जगन्नाथ	जीवनी	ज्योतिष
तकनीकी शिक्षा	तद्धित	तिङन्त	तिथि
दर्शन	धन्वन्तरि	धर्म	धर्मशास्त्र
नाट्यशास्त्र	नायिका	नीति	पक्ष
पत्रकारिता	पत्रिका	पराङ्कुशाचार्य	पाण्डुलिपि
पालि	पुरस्कार	पुराण	पुरुषार्थोपदेश
पुस्तक संदर्शिका	पुस्तक सूची	पुस्तकालय	पूजा
प्रत्यभिज्ञा शास्त्र	प्रशस्तपाद	प्रहसन	प्रौद्योगिकी
विल्हण	बौद्ध	बौद्ध दर्शन	ब्रह्मसूत्र
भर्तृहरि	भामह	भाषा	भाव्य
		भोज प्रबन्ध	मगध

मनु	मनोरोग	महाविद्यालय	महोत्सव	मुहूर्त
योग	योग दिवस	रचनाकार	रस	राजभाषा
रामसेतु	रामानुजाचार्य	रामायण	राशि	रोजगार
रोमशा	लघुसिद्धान्तकौमुदी	लिपि	वर्गीकरण	
वल्लभ	वाल्मीकि	विद्यालय	विधि	विश्वनाथ
विश्वविद्यालय	वृष्टि	वेद	वैचारिक निबन्ध	वैशेषिक
व्याकरण	व्यास	व्रत	व्रत कथा	शंकराचार्य
शतक	शरद	शैव दर्शन	संख्या	संचार
संस्कृत	संस्कृत आयोग	संस्कृत गीतम्		
संस्कृत पत्रकारिता	संस्कृत प्रचार	संस्कृत लेखक		
संस्कृत वाचन	संस्कृत विद्यालय	संस्कृत शिक्षा		
संस्कृतसर्जना	सन्धि	समास	सम्मान	
सामुद्रिक शास्त्र	साहित्य	साहित्यदर्पण	सुबन्त	
सुभाषित	सूक्त	सूक्ति	सूचना	सोतर सिस्टम
सोशल मीडिया	स्तुति	स्तोत्र	स्त्रीप्रत्यय	स्मृति
स्वामि रङ्गरामानुजाचार्य	हास्य	हास्य काव्य		
हुलासगंज	DEVNAGARI SCRIPT	DHARMA		
EPIC	JAGDANAND JHA			
JRF IN SANSKRIT (CODE- 25)	KAHANI			
LIBRARY	MAGAZINE	MAHABHARATA		
MANUSCRIPTOLOGY	PUSTAK SANGDARSHIKA			
SANSKRIT	SANSKRIT LANGUAGE			
SANSKRIT SAPTAHA	SANSKRITSARJANA			
SEX	STUDENT CONTEST	UGC NET/ JRF		

## PAGES

संस्कृत- शिक्षण- पाठशाला 1

संस्कृत शिक्षण पाठशाला 2

विद्वत्परिचय: 1

विद्वत्परिचय: 2

विद्वत्परिचय: 3

स्तोत्र - संग्रह:

पुस्तक विक्रय पटल

काव्यप्रकाश: (दशम उल्लास: 2)

करोना के परिप्रेक्ष्य में स्मृति ग्रंथों में वर्णित आचरण की व्यवस्था

काव्यप्रकाश: (दशम उल्लास: 1)

काव्यप्रकाश: (नवम उल्लास:)

काव्यप्रकाश: (अष्टमोल्लास:)

जगदानन्द झा

जगदानन्द झा

photo

मध्यकालीन संस्कृत साहित्य

## आपको क्या चाहिए?

इस ब्लॉग में संस्कृत के विविध विषयों पर आलेख उपलब्ध हैं, जो मोबाइल तथा वेब दोनों वर्जन में सुना, देखा व पढ़ा जा सकता है। मोबाइल के माध्यम से ब्लॉग पढ़ने वाले व्यक्ति, **search, ब्लॉग की सामग्री यहाँ खोजें, लेखाभिज्ञानम्** तथा **लेखानुक्रमणी** के द्वारा इच्छित सामग्री खोज सकते हैं।कम्प्यूटर आदि पर मीनू बटन दृश्य हैं। यहाँ पाठ लेखन तथा विषय प्रतिपादन के लिए 20,000 से अधिक पृष्ठों, कुछेक ध्वनियों, रेखाचित्रों, चित्रों तथा चलचित्रों को संयोजित किया गया है। विषय सम्बद्धता व आपकी सहायता के लिए लेख के मध्य तथा अन्त में सम्बन्धित विषयों का लिंक दिया गया है। वहाँ क्लिक कर अपने ज्ञान को आप पुष्ट कर रहे हैं। इन्टरनेट पर अधिकचरे ज्ञान सामग्री की भरमार होती है। कई

बार जानकारी के अभाव में लोग गलत सामग्री पर भरोसा कर लेते हैं। ई-सामग्री के महासमुद्र में इच्छित व प्रामाणिक सामग्री को खोजना भी एक जटिल कार्य है। इन परिस्थितियों में मैं आपके साथ हूँ। आपको मैं प्रामाणिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ आपकी कठिनाईयों को दूर करने के लिए वचनबद्ध हूँ। प्रत्येक लेख के अंत में **मुझे सूचित करें** बटन दिया गया है। यहाँ पर क्लिक करना नहीं भूलें।

Copyright © 2020 Sanskritbhashi संस्कृतभाषा | Powered by Blogger

Design by FlexiThemes | Blogger Theme by NewBloggerThemes.com